चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30-4-25	3	1

एचएयू-लुवास में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इस दौरान विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे। यह व्यवस्था 1 मई से 31 जुलाई, 2025 तक लागू रहेगी।

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि यह समय प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, कृषि महाविद्यालय कौल और कृषि महाविद्यालय बावल में भी लागू होगा। फिलहाल विश्वविद्यालय में शरद्कालीन समय सारिणी के अनुसार कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक चलते हैं। 1 मई से यह समय बदल जाएगा। इधर, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में भी 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इस दौरान विवि के सभी कार्यालय सुबह 7 से 2 बजे तक खुले रहेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.4.25	3	1

हकृवि में कल से ग्रीष्मकालीन समय- सारिणी लागू

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 मई से 31 जुलाई, 2025 तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः सात बजे से दोपहर दो बजे तक खुलेंगे। कुलसचिव डा. पवन कुमार ने बताया कि प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में यही टाइम टेबल लागू होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.4.25	4	7-8

हकृवि में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू

हिसार, 29 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 मई से 31 जुलाई, 2025 तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक खुलेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, तथा कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय, बावल (रेवाड़ी) में भी 1 मई से 31 जुलाई तक यही समय लागू होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30-4-25	1	1

एचएयू : ग्रीष्मकालीन समय सारिणी कल से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके तहत 1 मई से 31 जुलाई, 2025 तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों और कृषि महाविद्यालय, कौल व कृषि महाविद्यालय, बावंल में यही समय लागू होगा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	30. 4. 25	9	1

हकृवि में कल से सुबह 7 बजे खुलेंगे कार्यालय

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 मई से 31 जुलाई तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक खुलेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, तथा कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय, बावल (रेवाड़ी) में भी 1 मई से 31 जुलाई तक यही समय लागू होगा। गौरतलब है कि फिलहाल विंश्वविद्यालय में शरद्कालीन समय सारिणी के अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः 9 बजे से सायं 4:30 बजे तक है, जो एक मई से बदलकर प्रातः 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक हो जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30-4-25	5	5

हकृवि में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू

प्रातः 7 से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार, 29 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 मई से 31 जुलाई, 2025 तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, तथा कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय, बावल (रेवाड़ी) में भी 1 मई से 31 जुलाई तक यही समय लागू होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.4.25	11	1-5

हकृवि में 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग ने किया दौरा व विश्वविद्यालय संबंधी ली जानकारिय

हिसार, 29 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम ने सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोईड प्रयोगशाला तथा डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का दौरा किया। केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के अन्य सदस्यों ने उपरोक्त स्थलों के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान, तकनीक, विस्तार सहित अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, केन्द्रीय वित आयोग के सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्य कांति घोष, सचिव ऋत्विक पांडे, सयुक्त सचिव के.के. मिश्रा, अध्यक्ष के निजी सचिव (संयुक्त निदेशक) कुमार विवेक, संयुक्त निदेशक दविंदर चोदहा, उप-निदेशक रोहित गुट्टे, ओएसडी अभिषेक नंदन, सहायक निदेशक भावेश हजारिका व आरुषि गुप्ता, मंडल आयुक्त ए. श्रीनिवास, उपायुक्त अनीश यादव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया

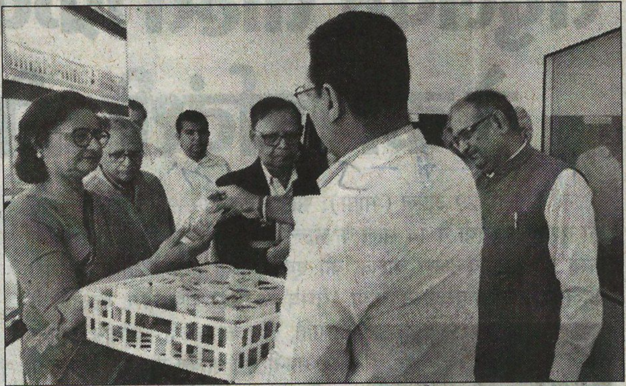

16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम सैंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का निरीक्षण करते हुए।

कि 16वें वित्त आयोग की टीम ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे अनुसंधान, पठन-पाठन, विस्तार सहित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। किसानों को उपलब्ध करवाए जा रहे क्वालिटी प्लांटिंग मटेरियल की भी टीम ने सरहाना की। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के उद्देश्य से उच्च गुणवत्ता वाली उन्नत किस्में विकसित की गई हैं जो प्रदेश ही नही बल्कि देश के किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। विश्वविद्यालय द्वारा फसलों के उन्नत किस्मों का 20 हजार क्विंटल के बीज तैयार करके किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है जिससे प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ौतरी होने के साथ-साथ किसानों की भी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न समझौते किए गए है व अनेकों विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शिक्षा ग्रहण के लिए विदेशों मे भेजा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वित आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के सदस्यों को बताया कि सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला से तैयार किए गए पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेगें। इस प्रयोगशाला में टिश्यू कल्चर विधि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं।

लैब में प्रति वर्ष लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकेंगे। उन्होंने बताया

सैंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला व डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का किया निरीक्षण

कि गन्ने की एक आंख से 40 हजार पौधे तैयार किये जा रहे हैं जिससे किसानों को लाभ होगा। उन्होने बताया कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है जिसे तीन भागों में विभाजित किया गया है। पहले भाग में प्रयोगशाला है जो की 6500 स्क्वेयर फीट में स्थापित की गई है। जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरे भाग में 1041 स्क्वेयर फीट में ग्रीन हाउस है। इस ग्रीन हाउस में टिश्यू कल्चर विधि से 5 लाख पौधे रखने की क्षमता है। तीसरे भाग में नेट हाउस है, जो की एक एकड़ में बनाया गया है। प्रो. काम्बोज ने बताया कि डॉ. मंगल सेन कृषि वि[illegible] संग्रहालय में आगंतुकों को एक ही छ[illegible] नीचे विश्वविद्यालय की वि[illegible] उपलब्धियां, कृषि व कृषक हितैषी क[illegible] के साथ-साथ हरियाणा की गौरव[illegible] संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों [illegible] जानकारी मिल रहा है। संग्रहालय के प्र[illegible] में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास य[illegible] के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थि[illegible] जनसंख्यिकीय आंकड़े दर्शाए जाने [illegible] साथ आगंतुकों विशेष कर स्कूली ब[illegible] को कृषि के बारे में जागरूक करने [illegible] लिए कृषि विकास यात्रा को त्रि-आ[illegible] भीती चित्रों द्वारा दर्शाया गया है। संग्रह[illegible] में विश्वविद्यालय के वि[illegible] महाविद्यालयों, विभागों तथा संकायो[illegible] जानकारी देने के लिए त्रि-आयामी म[illegible] लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का [illegible] सुंदर चित्रण प्रस्तुत करते हैं। कृषि[illegible] उपयोग किए जाने वाले पुरातन [illegible] ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्[illegible] जैसे रसोई का सामान, बर्तन, [illegible] चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण [illegible] से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके [illegible] प्रदर्शित किया गया है तथा उनकी स[illegible] व्याख्या भी की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	30-5-25	9	2-6

सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का निरीक्षण

केंद्रीय वित्त आयोग की टीम ने किया हिसार दौरा, विकास कार्यों को परखा

आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिया के नेतृत्व में टीम ने हिसार में कंसल्टेशन विजिट श्रृंखला के तहत विभिन्न स्थानों पर किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

भारत सरकार द्वारा गठित 16वें केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिया के नेतृत्व में आयोग देशभर के विभिन्न हितधारकों से व्यापक परामर्श कर रहा है। इस सिलसिले में आयोग की कंसल्टेशन-विजिट श्रृंखला के तहत हरियाणा 24वां राज्य बना है, जहां आयोग ने दौरा किया। मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिया और अधिकारियों की टीम हिसार पहुंची। यहां मंडलायुक्त ए. श्रीनिवास, उपायुक्त अनीश यादव तथा जिला नगर आयुक्त नीरज ने आयोग की टीम का स्वागत किया। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त आयोग राज्यों में विकास कार्यों, बुनियादी ढांचे और नवाचारों की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए जमीनी स्तर पर इस प्रकार के दौरे कर रहा है। दौरे के दौरान आयोग की टीम ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कैमरी रोड पर स्थापित 15 एमएलडी क्षमता के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर वर्क्स के द्वितीय चरण के रिनोवेशन कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों, जल गुणवत्ता, सप्लाई प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी के बारे में आयोग को अवगत कराया।

हिसार। सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का निरीक्षण करती 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम। फोटो : हरिभूमि

एचएयू ने टिश्यू कल्चर विधि से हुए रूबरू

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढिया एवं टीम के सदस्यों को बताया कि सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला से तैयार किए गए पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेगें। इस प्रयोगशाला में टिश्यू कल्चर विधि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं। लैब में प्रति वर्ष लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि गन्ने की एक आंख से 40 हजार पौधे तैयार किये जा रहे हैं जिससे किसानों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है जिसे तीन भागों में विभाजित किया गया है। पहले भाग में प्रयोगशाला है जो कि 6500 स्क्वेयर फीट में स्थापित की गई है। इसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरे भाग में 1041 स्क्वेयर फीट में ग्रीन हाउस है। यहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आद्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिश्यू कल्चर विधि से 5 लाख पौधे रखने की क्षमता है। तीसरे भाग में नेट हाउस है, जो की एक एकड़ में बनाया गया है। जिसमें पौधे रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।

पांच वाटर वर्क्स के माध्यम से हो रही पेयजल आपूर्ति

केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिया और अधिकारियों की टीम ने कैमरी रोड स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। जनस्वास्थ्य विभाग के इंजीनियर इन चीफ देवेंद्र सिंह ने बताया कि हिसार शहर के लिए विभाग ने पांच वाटर वर्क्स बनाए हुए है। कैमरी रोड वाटर वर्क्स की क्षमता 15 एमएलडी की है और 51711 लोगों को पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस वाटर वर्क्स से वार्ड नंबर 14,15,16 और पटेल नगर को सलाई की जा रही है। इसकी स्टोरेज क्षमता 2.88 करोड़ लीटर की है।

हकृवि में शोध एवं नवाचार स्थलों का भ्रमण किया

आयोग की टीम ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित विभिन्न शोध एवं नवाचार स्थलों का भ्रमण किया। टीम ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित डॉ. मंगलसेन कृषि साइंस म्यूजियम एवं बायोटेक्नोलॉजी लेबोरेटरी का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने टीम को कृषि नवाचार, जैविक अनुसंधान एवं ग्रामीण पर्यटन, परम्परागत संसाधनों और उनके द्वारा किए गए प्रयोग को बढ़ावा देने से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान विवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई, केन्द्रीय वित आयोग के सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्य कांति घोष, सचिव ऋत्विक पांडे, सयुक्त सचिव के.के. मिश्रा, अध्यक्ष के निजी सचिव (संयुक्त निदेशक) कुमार विवेक, संयुक्त निदेशक दविंदर चोदहा, उप-निदेशक रोहित गुट्टे, ओएसडी अभिषेक नंदन, सहायक निदेशक भाबेश हजारिका व आरुषि गुप्ता उपस्थित रहें।

मार्केटिंग तकनीक से करवाया जा रहा अवगत

वित्त आयोग के अध्यक्ष और टीम का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी आर काम्बोज ने स्वागत किया और आयोग को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित की जा रही गतिविधियों की जानकारी सांझा की। आयोग को अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय किसानों को बीज उपलब्ध करवाने के साथ ही उनके किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) स्थापित करने में मदद करता है और उनके लिए मार्केटिंग के रास्ते खोजने में मदद कर रहा है। एचएयू किसानों को फसलों को अनुसंधान करके बीज उपलब्ध कराती है।

वित्त आयोग की टीम ने देखी संस्कृति की झलक

वित्त आयोग की टीम ने डॉ मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण कर जानकारी हासिल की। संग्रहालय के प्रारंभ में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, जन सांख्यिकीय आंकड़े दर्शाए जाने के साथ आगंतुकों विशेषकर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्रि-आयामी भीती चित्रों द्वारा दर्शाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.4.25	5	3-6

• टिश्यू कल्चर विधि से लैब में तैयार होंगे 20 लाख उच्च गुणवत्ता के पौधे : प्रो. काम्बोज

16वें वित्त आयोग टीम ने किया एचएयू का दौरा

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम ने दौरा किया। टीम ने सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला और डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का निरीक्षण किया। आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढिया और अन्य सदस्यों ने वैज्ञानिकों से अनुसंधान, तकनीक और विस्तार कार्यों की जानकारी ली।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि टीम ने एचएयू में चल रहे अनुसंधान, पठन-पाठन और विस्तार गतिविधियों पर चर्चा की। वैज्ञानिकों ने उच्च गुणवत्ता की उन्नत किस्में विकसित की हैं। एचएयू ने 20 हजार क्विंटल बीज तैयार कर किसानों को दिया है। कई विद्यार्थियों को विदेशों में प्रशिक्षण और शिक्षा के लिए भेजा गया है। प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड लैब से तैयार पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के किसानों को मिलेंगे। यहां टिश्यू कल्चर विधि से पौधे तैयार किए जाते हैं। हर साल 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित और आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे तैयार होंगे। इस दौरान वीसी प्रो. बीआर काम्बोज, आयोग के सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्य कांति घोष, सचिव ऋत्विक पांडे, संयुक्त सचिव के.के. मिश्रा, अध्यक्ष के निजी सचिव कुमार विवेक, संयुक्त निदेशक दविंदर चोदहा, उप-निदेशक रोहित गुट्टे, ओएसडी अभिषेक नंदन, सहायक निदेशक भाबेश हजारिका और आरुषि गुप्ता, मंडल आयुक्त ए. श्रीनिवास, डीसी अनीश यादव मौजूद रहे।

16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का जायजा लेते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30-5-25	1	2-5

केंद्रीय वित्त आयोग की टीम ने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट व वाटर वर्क्स के द्वितीय चरण के रिनोवेशन कार्य का निरीक्षण किया

हिसार, 29 अप्रैल (ब्यूरो): भारत सरकार द्वारा गठित 16वें केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में आयोग देशभर के विभिन्न हितधारकों से व्यापक परामर्श कर रहा है। इस सिलसिले में आयोग की कंसल्टेशन-विजिट श्रृंखला के तहत हरियाणा 24 वां राज्य बना है, जहां आयोग ने दौरा किया।

मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और अधिकारियों की टीम हिसार पहुंची। यहां मंडलायुक्त ए. श्रीनिवास, उपायुक्त अनीश यादव तथा जिला नगर आयुक्त नीरज ने आयोग की टीम का स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, एस.डी.एम.ज्योति मित्तल,हांसी एस.डी.एम. राजेश खोथ सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त आयोग राज्यों में विकास कार्यों, बुनियादी ढांचे और नवाचारों की वास्तविक स्थिति को समझने हेतु जमीनी स्तर पर इस प्रकार के दौरे कर रहा है। दौरे के दौरान आयोग की टीम ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कैमरी रोड पर स्थापित 15 एम.एल.डी. क्षमता के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर वर्क्स के द्वितीय चरण के रिनोवेशन कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों, जल गुणवत्ता, सप्लाई प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी के बारे में आयोग को अवगत कराया।

केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का निरीक्षण करते हुए।

हिसार में जनस्वास्थ्य विभाग 5 वाटर वर्क्स के माध्यम से पेयजल आपूर्ति कर रहा सुनिश्चित

केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और अधिकारियों की टीम ने केमरी रोड स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। जनस्वास्थ्य विभाग के इंजीनियर इन चीफ देवेंद्र सिंह ने बताया कि हिसार शहर के लिए विभाग ने पांच वाटर वर्क्स बनाए हुए है।

कैमरी रोड वाटर वर्क्स की क्षमता 15 एम.एल.डी. की है और 51711 लोगों को पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस वाटर वर्क्स से वार्ड नबर 14,15,16 और पटेल नगर को सलाई की जा रही है। इसकी स्टोरेज क्षमता 2.88 करोड़ लीटर की है। उन्होंने बताया कि इस वाटर वर्क्स को बालसमंद सब ब्रांच से आपूर्ति होती है।

सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला का किया निरीक्षण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम ने सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला तथा डॉ मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का दौरा किया। केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के अन्य सदस्यों ने उपरोक्त स्थलों के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान, तकनीक, विस्तार सहित अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, केन्द्रीय वित आयोग के सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्य कांति घोष, सचिव ऋत्विक पांडे, सयुक्त सचिव के. के. मिश्रा, अध्यक्ष के निजी सचिव (संयुक्त निदेशक) कुमार विवेक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

कुलपति ने वित्त आयोग टीम को हकृवि की विभिन्न गतिविधियों को दी जानकारियां

वित्त आयोग के अध्यक्ष और टीम का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी आर कंबोज ने स्वागत किया और कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि 16वें वित्त आयोग की टीम ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे अनुसंधान, पठन-पाठन, विस्तार सहित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। किसानों को उपलब्ध करवाए जा रहे क्वालिटी प्लांटिंग मटेरियल की भी टीम ने सराहना की।

उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के उद्देश्य से उच्च गुणवत्ता वाली उन्नत किस्में विकसित की गई हैं जो प्रदेश ही नही बल्कि देश के किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। विश्वविद्यालय द्वारा फसलों के उन्नत किस्मों का 20 हजार क्विंटल के बीज तैयार करके किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है, जिससे प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ौतरी होने के साथ-साथ किसानों की भी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वित आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के सदस्यों को बताया कि सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला से तैयार किए गए पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेंगे। इस प्रयोगशाला में टिश्यू कल्चर विधि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं।

लैब में प्रति वर्ष लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि गन्ने की एक आंख से 40 हजार पौधे तैयार किये जा रहे हैं जिससे किसानों को लाभ होगा।

कृषि विज्ञान संग्रहालय में वित्त आयोग की टीम ने देखी हरियाणवी संस्कृति की झलक

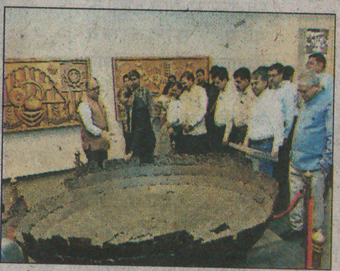

16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का जायजा लेते हुए

वित्त आयोग की टीम ने डॉ. मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण कर जानकारी हासिल की। संग्रहालय के प्रारंभ में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, जन सांख्यिकीय आंकड़े दर्शाए जाने के साथ आगंतुकों विशेष कर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्रि-आयामी भीती चित्रों द्वारा दर्शाया गया है।

संग्रहालय में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों तथा संकायों की जानकारी देने के लिए त्रि-आयामी मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुंदर चित्रण प्रस्तुत करते हैं। कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसोई का सामान, बर्तन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.04.2025	--	--

केन्द्रीय वित्त आयोग ने किया हकृवि का दौरा, विश्वविद्यालय की ली जानकारियां

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम ने दौरा किया। केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के अन्य सदस्यों ने उपरोक्त स्थलों के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान, तकनीक, विस्तार सहित अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कुलपति ने बताया कि 16वें वित्त आयोग की टीम ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे अनुसंधान, पठन-पाठन, विस्तार सहित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। किसानों को उपलब्ध करवाए जा रहे क्वालिटी प्लांटिंग मटेरियल की भी टीम ने सराहना की।

उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के उद्देश्य से उच्च गुणवत्ता वाली उन्नत किस्में विकसित की गई हैं जो प्रदेश ही नही बल्कि देश के किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। विश्वविद्यालय द्वारा फसलों के उन्नत किस्मों का 20 हजार क्विंटल के बीज तैयार करके किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है जिससे प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोतरी होने के साथ-साथ किसानों की भी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न समझौते किए गए है व अनेकों विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शिक्षा ग्रहण के लिए विदेशों मे भेजा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डेमोक्रेटिक फ्रंट	29.04.2025	--	--

हकृवि में 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग ने किया दौरा व विश्वविद्यालय के बारे में ली जानकारियां

सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला तथा डॉ मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का किया निरीक्षण

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी.
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की टीम ने सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला तथा डॉ मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का दौरा किया। केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया एवं टीम के अन्य सदस्यों ने उपरोक्त स्थलों के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान, तकनीक, विस्तार सहित अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, केन्द्रीय वित आयोग के सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्य कांति घोष, सचिव ऋत्विक पांडे, संयुक्त सचिव के.के. मिश्रा, अध्यक्ष के निजी सचिव (संयुक्त निदेशक) कुमार विवेक, संयुक्त निदेशक दविंदर चोदहा, उप-निदेशक रोहित गुट्टे, ओएसडी अभिषेक नंदन, सहायक निदेशक भावेश हजारिका व आरुषि गुप्ता, मंडल आयुक्त ए. श्रीनिवास, उपायुक्त अनीश यादव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि 16वें वित्त आयोग की टीम ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे अनुसंधान, पठन-पाठन, विस्तार सहित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। किसानों को उपलब्ध करवाए जा रहे क्वालिटी प्लांटिंग मटेरियल की भी टीम ने सराहना की। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के उद्देश्य से उच्च गुणवत्ता वाली उन्नत किस्में विकसित की गई हैं जो प्रदेश ही नही बल्कि देश के किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। विश्वविद्यालय द्वारा फसलों के उन्नत किस्मों का 20 हजार क्विंटल के बीज तैयार करके किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है जिससे प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में बढ़ोतरी होने के साथ-साथ किसानों की भी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न समझौते किए गए है व अनेकों विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शिक्षा ग्रहण के लिए विदेशों मे भेजा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वित आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढिया एवं टीम के सदस्यों को बताया कि सेंटर फॉर माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड प्रयोगशाला से तैयार किए गए पौधे हरियाणा सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेगें। इस प्रयोगशाला में टिश्यू कल्चर विधि से विभिन्न प्रजातियों के पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई हैं। लैब में प्रति वर्ष लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, रोग रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे तैयार किये जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि गन्ने की एक आंख से 40 हजार पौधे तैयार किये जा रहे हैं जिससे किसानों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है जिसे तीन भागों में विभाजित किया गया है। पहले भाग में प्रयोगशाला है जो की 6500 स्क्वेयर फीट में स्थापित की गई है। जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरे भाग में 1041 स्क्वेयर फीट में ग्रीन हाउस है। यहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आद्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिश्यू कल्चर विधि से 5 लाख पौधे रखने की क्षमता है । तीसरे भाग में नेट हाउस है, जो की एक एकड़ में बनाया गया है। जिसमें पौधें रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगें।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि डॉ मंगल सेन कृषि विज्ञान संग्रहालय में आगंतुकों को एक ही छत के नीचे विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियां, कृषि व कृषक हितैषी कार्यों के साथ-साथ हरियाणा की गौरवमयी संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी मिल रही है। संग्रहालय के प्रारंभ में ही हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, जनसांख्यिकीय आंकड़े दर्शाए जाने के साथ आगंतुकों विशेष कर स्कूली बच्चों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्रि-आयामी भीती चित्रों द्वारा दर्शाया गया है। संग्रहालय में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों तथा संकायों की जानकारी देने के लिए त्रि-आयामी मॉडल लगाए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.04.2025	--	--

हकृवि में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू, प्रातः 7 से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे कार्यालय

फिलहाल समय प्रातः 9 से सायं 4.30 बजे तक है

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 1 मई से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू होगी। इसके अन्तर्गत 1 मई से 31 जुलाई, 2025 तक विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रातः 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक खुलेंगे।

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, तथा कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) व कृषि महाविद्यालय, बावल (रेवाड़ी) में भी 1 मई से 31 जुलाई तक यही समय लागू होगा। गौरतलब है कि फिलहाल विश्वविद्यालय में शरद्कालीन समय सारिणी के अनुसार कार्यालयों का समय प्रातः 9 बजे से सायं 4:30 बजे तक है, जो एक मई से बदलकर प्रातः 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक हो जाएगा।